

प्रा.डॉ. एस्.ए. गायकवाड
एम्.ए.,पी-एच्.डी.
हिन्दी विभागाध्यक्ष एवं
स्नातकोत्तर अध्यापक तथा शोध निर्देशक
कला, वाणिज्य महाविद्यालय, सातारा

- प्र मा ण प त्र -

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री. धनंजय शिवराम घुटुक्डे ने शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्.फिल. (हिन्दी) उपाधि के लिए "अज्ञेय" के उपन्यासों में चित्रित उनका जीवन विषयक दृष्टिकोण शीर्षक से प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध मेरे निर्देशन में सफलतापूर्वक पूरे परिश्रम के साथ पूरा किया है। यह शोधार्थी की मौलिक कृति है। जो तथ्य इस लघु-शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किये गये हैं मेरी जानकारी के अनुसार वे सही हैं। श्री. धनंजय शिवराम घुटुक्डे के प्रस्तुत शोध-कार्य के बारे में मैं पूरी तरह संतुष्ट हूँ।

सातारा
दिनांक : 30 दिसंबर, 1993

Shankar
प्रा. डॉ. एस्.ए. गायकवाड
शोध निर्देशक

०००

BALASAHEB KHARDEKAR LIBRARY



प्रा. डॉ. व्ही.के. मोरे
एम्.ए.,पी-एच्.डी.
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर

- प्र मा ण प त्र -

मैं संस्तुति करता हूँ कि इस लघु-शोध-प्रबंध को परीक्षा हेतु अंग्रेषित किया जाए।

कोल्हापुर
दिनांक : 30 दिसंबर, 1993



डॉ. व्ही. के. मोरे
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Reader and Head
Department of Hindi,
Shivaji University,
Kolhapur - 416004

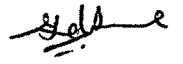
०००

- प्र ख्या प न -

यह लघु-शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम्.फिल. के लघु-शोध-प्रबंध के रूप में प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

कडेगाव :

दिनांक : 30 दिसंबर, 1993


श्री. डी.एस. चड्डा

०००

DR. BALASAHEB KHARDEKAR LIBRARY
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

